A 213 – O – 3

Second Year B.A. Examination, May/June 2009
(Revised SIM Scheme)
OPTIONAL HINDI (Paper – II) (Group – II)
Texts : पद्यरत्नावली, कामायनी, अजातशत्रु, पाँच नये एकांकी

Date : 3-6-2009 Max. Marks : 90

Time : 2.00 p.m. to 5.00 p.m.

SECTION – A

I. दैन्य–सामर्थ्य और आत्मबोध में अभिव्यक्त भक्ति–भावना को स्पष्ट कीजिए । **20**

अथवा

मीरा के काव्य में अभिव्यक्त प्रेम के स्वरूप का निरूपण कीजिए ।

II. 'चिंता' सर्ग के कलापक्ष की समीक्षा कीजिए । **20**

अथवा

'चिंता' सर्ग के पिछे प्रसाद की दृष्टि क्या रही है ? सिद्ध कीजिए ।

III. नाटक के तत्वों के आधार पर 'अजातशत्रु' नाटक की विवेचना कीजिए । **15**

अथवा

टिप्पणियाँ लिखिए :

1) वासवी 2) मागंधी

SECTION – B

IV. एकांकी कला के तत्वों के आधार पर 'जोंक' अथवा 'अंडे के छिलके' एकांकी की अलोचना कीजिए । **15**

P.T.O.

SECTION – C

(सप्रसंग व्याख्या)

V. अ) मृत्यु, अरी चिर निद्रे ! तेरा अंक त्रिमानी सा शीतल,

तू अनंत में लहर बनाती काल–जलधि की–सी हल चल । **7**

अथवा

जीवन तेरा क्षुद्र अंश है व्यक्त नील–घन माला में,
सौदामिनी–संधि सा सुदंर क्षण भर रहा उजाला में ।

आ) लोपे कोपे इन्द्र लौ, रोपे प्रलय अकाल ।
गिरिधारी राखे सबै, गो गोपी गोपाल । **6**

अथवा

धूरि भरे अति सोभित स्यामजू, तौसी बनी सिर सुंदर चोटी ।
खेलत खात फिरै अंगना, पग पैंजनी बाजती पीरी कछोटी ।
वा छबि को रसखानि बिलोकत, वारत काम कलानिधि कोटी ।
काग के भाग कहा कहिये, हरि हाथ सौ लैगयों माखन रोटी ।

इ) यदि मेरा नाम न जानते हो तो मनुष्य कह कर पुकारो ।
वह भयानक संबोधन मुझे न चाहिए । **7**

अथवा

यदि एक भी रोते हुए हृदय को तुमने हंसा दिया तो सहस्त्रों स्वर्ग तुम्हारे अंतर में विकसित होंगे ।

———————